हायपरथायरॉडीझम

जब थायरॉईड हार्मोन्स उच्च स्तरपर होते है, तब थायरॉईड ग्रंथी की बेवजह काम करने की प्रवृत्ती होती है । थायरॉईड हार्मोन्स वैसे शारीरीक तापमान हृदय की धडकने वृध्दी एवं वजन को नियंत्रित करती है ।

खतरों के कारण:

- स्वयं जडित रोग जैसे थायरॉईड ग्रंथी का बढना ग्रेव्ह रोग, ग्वायटर
- कुछ विशेष दवाईयाँ लिथियम, अमिओडेरॉन अथवा एस्प्रिन
- संसर्गजन्य विषाणू
- थायरॉईड ग्रंथी दर्द अथवा कर्करोग
- आयोडिन का प्रमाण अधिक होना

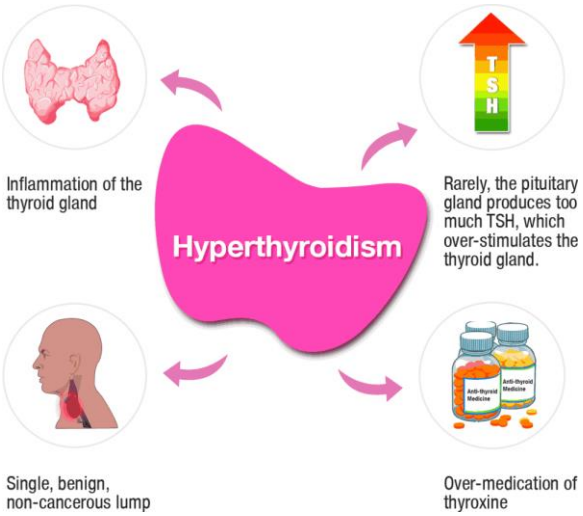

सूचक एवं लक्षण:

- वजन कम होना, अधिक भूख लगना दस्त अथवा कब्ज होना ।
- पसीना जादा आना , गर्मी बर्दास्त न हो पाना।
- अनबन, अस्थिरता, ठीक न लगना।
- धडकने बढना , ठीक से नींद ना लगना।
- आराम करते समय हृदय की धडकने बढना एवं श्वासोच्छवास की गती मे वृध्दी होना।
- कंधो मे वेदनारुपी गाँठ एवं आँखों के सामने धुंधलापन आना।
- थकावट अथवा नसों मे पीडा होना।
- कम अथवा मासिक धर्म ना होना।

निदान पध्दती:

- TSH - थायरॉईड स्टीम्युलेटिंग हार्मोन्स टेस्ट
- थायरॉईड ग्रंथी से स्त्राव होने वाले संप्रेरकों की जाँच
- (T3, T4) थायरॉईड हार्मोन्स की संख्या बढी हुई दिखना
- आयोडिन थायरॉईड स्कॅन

उपचार ईलाज:

- ॲन्टी थायरॉईड दवाऐं थायरॉईड हार्मोन्स का स्तर कम करते है । एवं लक्षणों को कम करते है
- किरणे, आयोडिन देकर थायरॉईड ग्रंथी की कुछ पेशियों को मारा जाता है , जिसके चलते थायरॉईड हार्मोन्स स्त्राव का प्रमाण कम होता है । शल्यक्रिया कर पुर्ण थायरॉईड ग्रंथी अथवा उसका कुछ हिस्सा निकाल दिया जाता है।

रुग्ण समुपदेशन-

- रोगी के यकृत हानी के लक्षण दिखाई देने पर अथवा पंडू रोग (बुखार संसर्गजन्य रोग, बिमार जैसे लगना, त्वचा पर खुजलाहट, गले मे सूजन)ऐसे परेशानियोंमे तात्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए ।
- दवाओं के कारण शरीर मे रक्त मे शर्करा का प्रमाण कम हुआ ऐसा दिखाई देने पर मधुमेही रोगियोंने रक्तशर्करा के स्तर पर ध्यान देना अतिवार्य है।
- किरणे, रेडिओॲक्टिव्ह आयोडिनउपचार से पुर्व यह देखना होगा की संबंधित महिला गर्भवती तो नही

Reference: Micromedexटs Care Notes System Online 2.0